UNIVRSITY OF ALLAHABAD

COMBINED RESEARCH ENTRANCE TEST 2011

CRET 2011

SYLLABUS:

Note: For Level 1 B and Level 2 tests

Level 1 B:

There will be 50 multiple choice objective type questions covering ENTIRE syllabus 3 marks will awarded for correct answer and 1 mark will be deducted for each wrong answer.

Duration 1=30 Hours (90 minutes).

Level 2: There will be in all 14 Questions divided into 3 Parts.

There will be three sections

A. In Section-A there will be 10 Short answer (50 words) type questions covering entire syllabus (all compulsory) total marks of this Part will be 100 i.e. 10X10.
B. In Section-B there will be 03 Medium answer (200words) type questions with internal choice/s considering specializations (all compulsory) total marks of this Part will be 60 i.e. 20X3.
C. In Section-C there will be 01 Long answer (400 words) type question on research methodology and research aptitude with internal choice/s total marks of this Part will be 40.

Duration 3 Hours

Total marks shall be 200

खण्ड - अ

प्रश्न पत्र के खण्ड अ के लिये अनिवार्य पाठ्यक्रम

इकाई - एक

वैदिक सूक्त- सवितृ 1/35, मरूत् 1/85, रूद्र 2/33, मित्र 3/59, उषस् 4/51, मित्रावरूण 7/71, वरूण 7/86, सृष्टि 10/129 अक्षरसूक्त 10/39 मन्त्रार्थ/सूक्त सारांश

इकाई - दो

(क) अर्थसंग्रह-

(अ) भावना

(ब) विधि

(स) निषेध

(ख) निरूक्त-(प्रथम अध्याय)

इकाई - तीन

(क) कालिदास (ख) भास (ग) भवभूति (घ) शूद्रक (ड) विशाखदत्त (च) भारवि (छ) माघ (ज) श्रीहर्ष (झ) बाण (त्र) सुबन्धु (ट) दण्डी (ठ) वर्णव्यवस्था (ड) आश्रमव्यवस्था (ढ) नारीशिक्षा

इकाई - चार

भाषिक वर्गीकरण- आकृतिमूलक, पारिवारिक, भारोपीय भाषापरिवार, ध्वनिपरिवर्तन के कारण एवम् दिशा अर्थ परिवर्तन के कारण एवम् दिशा, लौकिक, वैदिक एवम् अवेस्ता की भाषा का वैशिष्ट्य, मध्यकालिक भारतीय आर्य भाषा – पालि, प्राकृत अपभ्रंश

इकाई – पाँच

तर्कभाषा- प्रमाण निरूपण पर्यन्त

इकाई - छ

सांख्य तत्त्व कौमुदी- कारिका 1 से 21 तक

इकाई - सात

वेदान्तसार- महावाक्यार्थ निरूपण पर्यन्त

इकाई - आठ

काव्य प्रकाश- (नवम एवम् दशम उल्लास)

वकोक्ति, पुनरूक्तवदाभास,अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, अनन्वय, अर्थान्तरन्यास, दीपक, तुल्ययोगिता, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, दृष्टान्त, निदर्शना, ससन्देह, प्रतिवस्तूपमा, भ्रान्तिमान, परिसंख्या, अपह्नुति, अप्रस्तुतप्रशंसा, काव्यलिंग, संसृष्टि, संकर

इकाई - नौ

निम्नलिखित की सिद्धि प्रक्रिया–

राम, सर्व, विश्वपा, हरि सखि, क्रोष्टु, भानु, धातृ, गो, रमा, मति, गौरी, ज्ञान, मघवत्, तद्, अस्मद्, युष्मद्, उपानह्, इदम्।

तद्धित प्रकरण–शैषिकपर्यन्त

इकाई - दस

निम्नलिखित की सिद्धि प्रक्रिया

(1) भू एवम, एध् धातु

(2) कृत्य प्रक्रिया, पूर्वकृदन्त, तुमुन, घत्र, क्त्वा, ल्यप्, ल्युट्

खण्ड ब एवं स

नोटः विद्यार्थी वेद, साहित्य एवं दर्शन वर्गों में से किसी एक वर्ग का चयन कर उत्तर लिखें।

वेद वर्ग

खण्ड ब तथा स के लिये संयुक्त रूप से निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई - एक

1- ऋग्वेद द्वितीय मण्डल के सूक्त (मन्त्रों का अनुवाद, देवताओं की विशेषता)

2- स्वर प्रक्रिया (वैदिक) – सिद्धान्तकौमुदी

इकाई - दो

1- शुक्ल यजुर्वेद (प्रथम तथा द्वितीय अध्याय) माध्यन्दिन संहिता

2- वाजसनेयि प्रतिशाख्य – एक से तीन

3- शतपथ ब्राह्मण प्रथम काण्ड - (स्रुक् सम्मार्जनम् पर्यन्त)

इकाई - तीन

1- ऋक् प्रातिशाख्य 1, 2, 3, 6 पटल

2- निरूक्त द्वितीय तथा सप्तम अध्याय

3- बहिस्तून शिलालेख

साहित्य वर्ग

खण्ड ब तथा स के लिये संयुक्त रूप से निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई - एक

काव्य-प्रकाश- (प्रथम से अष्टम उल्लास) कारिकाओ की व्याख्या एवं प्रश्न काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण, काव्य भेद, अभिहितान्वयवाद एवम् अन्विताभिधानवाद, शब्द-शक्तियाँ, ध्वनि भेद, रस सिद्धान्त (रस सूत्र की व्याख्यायें), गुणीभूतव्यंग्य के भेद, व्यंजना की अपरिहार्यता, दोष-स्वरूप, गुणालंकार स्वरूप एवं भेद

ध्वन्यालोक- **प्रथम उद्योत-** कारिकाओं की व्याख्या एवं प्रश्न ध्वनि के पूर्व कक्ष-स्वरूप एवं खण्डन, ध्वनि स्वरूप, वाच्य एवं व्यंग्य में अन्तर, अलंकारों में ध्वनि के अन्तर्भाव का निषेध, लक्षणा एवं व्यंजना में भेद

चतुर्थ उद्योत- कारिकाओं की व्याख्या एवं प्रश्न ध्वनि एवं गुणीभूत व्यंग्य द्वारा काव्यार्थ की अनन्तता, शुद्ध वाच्य की अनन्तता, रस-ध्वनि का महत्त्व एवं महाभारत के अंगी रस का निर्धारण, काव्य–संवाद।

इकाई - दो

दशरूपक- कारिकाओं की व्याख्या एवं प्रश्न

नाट्यलक्षण, अर्थप्रकृतियाँ, कार्यावस्थायें, (सन्ध्यंगो को छोड़कर), अर्थोपक्षेपक नाट्यवृत्तियों, रूपकों के भेद, एवं लक्षण, रस, स्वरूप, नाट्य में शान्तरस, रससिद्धान्त खण्डन मण्डन 37वीं कारिका पर्यन्त

रसगंगाधर- प्रथम आनन (रस-स्वरूप निरूपण पर्यन्त)

काव्य लक्षण– पण्डित राज का स्वाभिमत, अन्य लक्षणों पर आक्षेप

काव्य कारण– प्रतिभा का स्वरूप, प्रतिभा के कारण

काव्य भेद– उत्तमोत्तम, उत्तम, मध्यम, अधम

रस–स्वरूप– स्वमतस्थापन, रसविषयक विविध सम्मतियाँ विप्रतिपत्तियाँ एवं समाधान।

इकाई - तीन

नैषधीयचरितम् - (प्रथम सर्ग) हिन्दी अनुवाद व्याख्या एवं प्रश्न

शिशुपालवधम् – (प्रथम सर्ग) हिन्दी अनुवाद एवं प्रश्न

नलचम्पू - प्रथम उच्छ्वास (वर्षावणन पर्यन्त हिन्दी अनुवाद एवं प्रश्न)

रत्नावली - (सम्पूर्ण) हिन्दी अनुवाद, संस्कृत व्याख्या एवं प्रश्न

दर्शन वर्ग

खण्ड ब तथा स के लिये संयुक्त रूप से निर्धारित पाठ्यक्रम

इकाई - एक

1- न्याय सूत्र, वात्स्यायन भाष्य से

(क) प्रमाण (ख) सिद्धान्त (ग) अवयव

(घ) वाद, जल्प, वितण्डा (ड) हेत्वाभास

2- प्रशस्तपाद भाष्य से

(अ) साधम्यवैधर्म्य (ब) द्रव्य (स) गुण

(द) कर्म (य) सामान्य (र) विशेष

(ल) समवाय (व) अभाव

3- न्यायसिद्धान्तमुक्तावली से

(अ) मंगलवाद (ब) ईश्वर सिद्धि (स) द्रव्यत्व सिद्धि

(द) जाति बाधक (य) कारण (र) अन्यथासिद्ध

(ल) लौकिक एवं अलौकिक सन्निकर्ष

इकाई - दो

1- योगसूत्र व्यास भाष्य से – पाद 1 तथा 2 से निरूपित सभी विषय

2- प्रज्ञा पारमिता

3- माण्डूक्योपनिषद् (कारिका सहित) सम्पूर्ण

इकाई - तीन

1. ब्रह्मसूत्रशांकर भाष्य से

(अ) प्रथम अध्याय प्रथम वाद ईक्षत्यधिकरण पर्यन्त

(ब) द्वितीय अध्याय के प्रथम, द्वितीय पाद से न्यायमत, वैशेषिकमत, जैनमत, बौद्धमत, भागवतमत तथा पाशुपातमत का खण्डन तथा विलक्षणत्वाधिकरण

2- वेदार्थसङ् ग्रह – शांकरमत प्रतिक्षेप पर्यन्त।

3- पंचदशी- प्रथम प्रकरण से पंचम प्रकरण पर्यन्त।